अध्याय चतुर्थ

प्रदत्तों का विश्लेषण एवं परिणाम

अध्याय–चतुर्थ

प्रदत्तों का विश्लेषण एवं परिणाम

4.1 प्रस्तावना :–

अध्ययन हेतु चयनित उपकरण के माध्यम से चुने गये न्यायदर्श द्वारा प्रदत्तों का संकलन किया गया। तत्पश्चात् प्राप्त प्रदत्तों का विश्लेषण तथा व्याख्या इस अध्ययन में की गयी। स्व निर्मित परिकल्पनाओं की स्वीकृति प्रदत्तों को समूह व उपसमूह में विभाजित कर विश्लेषण तथा अंतिम परिणाम ज्ञात किया जाता हैं। प्रदत्तों के विश्लेषण के अन्तर्गत उनकी उपलब्धियों की तुलना अनेक परीक्षण द्वारा कर शोध के उद्देश्यों का निर्णय प्राप्त निष्पत्तियों द्वारा किया गया है।

इस शोध अध्ययन में कुल 2 परिकल्पनायें रखी गयी हैं। जिसकी जांच करने के उपरान्त त्वरित प्रदत्तों के प्रस्तुतीकरण के लिए शोध समस्या के अध्ययन से निकाले परिणाम की व्याख्या की गई है।

4.2 प्रदत्तों का विश्लेषण एवं व्याख्या :–

उद्देश्य–1 कक्षा 6वीं के विद्यार्थियों में पर्यावरणीय अभिवृत्ति का अध्ययन करना।

छात्रो की पर्यावरणीय अभिवृत्ति को पाँच स्तरो में बॉटा गया। प्रत्येक स्तर में पाये गये छात्र निम्न तालिका में दर्शाये गये है–

तालिका क्र. 4.2.1

प्राप्तांकों का विस्तार	पर्यावरण अभिवृत्ति का स्तर	छात्रों की संख्या	प्रतिशत
59–80	ज्यादा अनुकूल	13	41.37
52–48	अनुकूल	7	22.5
45–51	मध्यम/औसत	5	16.12
38–44	प्रतिकूल	6	19.3
37–0	ज्यादा प्रतिकूल	0	0

छात्राओं की पर्यावरणीय अभिवृत्ति को पाँच स्तरों में बांटा गया। प्रत्येक स्तर में पायी गयी छात्राएं निम्न तालिका में दर्शाया गया है–

तालिका क्र. 4.2.2

प्राप्तांकों का विस्तार	पर्यावरण अभिवृत्ति का स्तर	छात्राओं की संख्या	प्रतिशत
56–80	ज्यादा अनुकूल	12	41.32
49–55	अनुकूल	6	20.60
42.48	मध्यम/औसत	4	13.79
35–41	प्रतिकूल	3	10.3
34–0	ज्यादा प्रतिकूल	4	13.7

छात्र तथा छात्राओं की पर्यावरणीय अभिवृत्ति निम्न तालिका में दी गई है–

तालिका क्र. 4.2.3

पर्यावरण का स्तर	छात्रों का प्रतिशत	छात्राओं का प्रतिशत
ज्यादा अनुकूल	41.93	41.37
अनुकूल	22.5	20.37
मध्यम /औसत	16.12	13.79
प्रतिकूल	19.3	10.3
ज्यादा प्रतिकूल	0	13.7

उपरोक्त तालिका के अध्ययन से यह ज्ञात होता है कि छात्र तथा छात्राओं की पर्यावरणीय अभिवृत्ति पर्यावरण के प्रत्येक स्तर पर ज्यादा अनुकूल तथा मध्यम/औसत पर लगभग समान है परन्तु प्रतिकूल तथा ज्यादा प्रतिकूल स्तरों पर काफी अंतर नजर आता है।

अगर इन स्तरों को दो भागों में बॉटा जाये, ज्यादा अनुकूल, अनुकूल तथा मध्यम/औसत को एक भाग में और प्रतिकूल तथा ज्यादा प्रतिकूल को दूसरे भाग में, तो पहले भाग में छात्रों का प्रतिशत 80.55 तथा छात्राओं का प्रतिशत 75.53 है। दूसरे भाग में छात्रों का प्रतिशत 14.3 तथा छात्राओं का प्रतिशत 24 है।

निष्कर्ष– 80.55 प्रतिशत छात्र तथा 75.53 प्रतिशत छात्राओं की पर्यावरण अभिवृत्ति औसत या औसत से ज्यादा अनुकूल हैं सिर्फ 13.7 प्रतिशत छात्राओं की पर्यावरण अभिवृत्ति ज्यादा प्रतिकूल है।

प्रथम उद्देश्य के अध्ययन हेतु दो परिकल्पनाओं का भी निर्माण किया गया है। उनके परीक्षण निम्नानुसार है–

परिकल्पना–1

कक्षा 6वीं के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के विद्यार्थियों कि पर्यावरण अभिवृत्ति में कोई सार्थक अंतर नहीं है।

इस परिकल्पना का परीक्षण करने हेतु ज परीक्षण का उपयोग किया गया है इसका विवरण तालिका क्र. 4.2.4 में दर्शाया गया।

तालिका 4.2.4

चर	क्षेत्र	संख्या (N)	मध्यमान(Mn)	प्रमाणिक विचलन(S.D.)	t का मान	मुक्तांश (df)
पर्यावरण अभिवृत्ति	ग्रामीण	30	55.37	11.25	1.67	58
	शहरी	30	50.43	11.53		

स्पष्टीकरण :–

स्वतन्त्रता की कोटि 58 तथा 0.05 सार्थकता स्तर पर t का टेबल मूल्य 2.00 हैं। यह t का मान हैं प्राप्त ज के मान 1.67 से अधिक हैं। यह मान अधिक होने के कारण 0.05 सार्थकता स्तर पर सार्थक नहीं हैं। अतः शून्य परिकल्पना स्विकृत की जाती हैं।

टेबल से यह भी ज्ञात होता है कि ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों की पर्यावरणीय अभिवृत्ति का मध्यमान (55.37) शहरी क्षेत्र के विद्यार्थियों के मध्यमान (50.43) से कम हैं। अतः यह कह सकते

हैं कि ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों की पर्यावरणीय अभिवृत्ति शहरी क्षेत्र के विद्यार्थियों से अधिक है परन्तु यह अंतर सार्थक नही है।

निष्कर्ष :– कक्षा 6 वीं के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के विद्यार्थियों की पर्यावरण अभिवृत्ति में सार्थक अंतर नही है।

परिकल्पना–2

कक्षा6वीं के छात्र, छात्राओं की पर्यावरण अभिवृत्ति में कोई सार्थक अंतर नहीं है।

इस परिकल्पना का परीक्षण करने हेतु ज परीक्षण का ही उपयोग किया गया हैं। इसका विवरण तालिका क्र. 4.2.5 में दर्शाया गया है।

तालिका 4.2.5

चर	लिंग	संख्या (N)	मध्यमान (Mn)	प्रमाणिक विचलन (S.D.)	t का मान	मुक्तांश (df)
पर्यावरण अभिवृत्ति	छात्र	31	55.65	10.36	1.94	58
	छात्राएं	29	49.97	12.36		

स्पष्टीकरण :–

स्वतन्त्रता की कोटि 58 तथा 0.05 सार्थकता स्तर पर ज का टेबल मूल्य 2.00 हैं। यह टी का मान प्राप्त t के मान 1.94 से अधिक हैं यह मान अधिक होने के कारण 0.05 सार्थकता स्तर पर सार्थक नहीं है। अतः शून्य परिकल्पना स्विीकृत की जाती हैं।

टेबल से यह भी ज्ञात होता हैं कि छात्रों का मध्यमान (55.65) छात्राओं कें मध्यमान (49.97) से अधिक है।

अतः हम यह कह सकते हैं कि छात्रों की पर्यावरणीय अभिवृत्ति अधिक है परन्तु सार्थक अंतर नही है।

निष्कर्षः– कक्षा 6वीं के छात्र, छात्राओं की पर्यावरण अभिवृत्ति में सार्थक अंतर नही है।

उद्देश्य –2

कक्षा 6वीं के विद्यार्थियों का पर्यावरण के प्रति आचरण का अध्ययन करना ।

पर्यावरणीय आचरण के अध्ययन के अन्तर्गत कक्षा 6वीं के विद्यार्थियों का पानी वनस्पतियों के साथ क्रियाकलाप का अवलोकन करने पर यह देखा गया कि 18 (30 प्रतिशत) विद्यार्थी पानी के साथ अनुचित आचरण जैसे पत्थर फेंकना, पत्ती कचरा डालना पानी में हाथ पैर डालना, धोना करते हुए पाये गये। इसके विपरीत 8 (13.3%) विद्यार्थी पानी के साथ सकरात्मक क्रियाकलाप करते हुए पाये गये जो पानी को प्रदूषित होने से बचाने का प्रयास करते देखे गये। जहाँ एक विद्यार्थी पानी से पॉलीथिन पृथक करने का कार्य करते हुए देखा गया ।

न्यायदर्श में शामिल 60 में से 10 विद्यार्थी (17%) वनस्पतियों के साथ पत्तियाँ तोडना, फूल, तोडना, उनकी शाखाओं को खीचना जैसे क्रियाकलाप करते पाये गये तथा 30 (50%) विद्यार्थी फूलों को देखकर खुश होने एवं उनकी उपयोगिता संबंधी वार्तालाप करते देखे गये इन विद्यार्थीयों में से दो विद्यार्थी साथियों

द्वारा पेड़ पौधों से छेड़छाड करने पर विरोध करते देखे गये। 12 विद्यार्थी (20%) चाकलेट के रेपर, पॉलीथीन फेंकना खुले स्थान में गंदे हाथ पैर धोना जैसे कियाकलाप करते हुए पाये गये 28 (46%) विद्यार्थी पिंजरे में बंद पक्षियों को देखकर खुश होना, खाने के पूर्व एवं पश्चात् हाथ धोने, कृत्रिम परिस्थितियों में अवशिष्ट पदार्थो को फेंकना जैसे कियाकलाप में संलग्न करते पाये गये।

तर्क संगत विश्लेषण द्वारा कह सकते है कि पारिस्थितिकी के कियाकलाप उनके उत्साही व्यवहार को प्रदर्शित करता है यह संभवतः जल के प्रति लगाव को बताता है लगभग 70 प्रतिशत विद्यार्थियों का वनस्पति तथा उद्यान क्षेत्र के प्रति आचरण सकारात्मक पाया गया है।

प्रस्तुत उद्देश्य के अध्ययन का तात्पर्य यह जानना था कि विद्यार्थियों की पर्यावरणीय अभिवृत्ति एवं आचरण में समानता है या नही लगभग 80% विद्यार्थियों की पर्यावरणीय अभिवृत्ति औसत या औसत से अधिक अनुकूल है लगभग 70% विद्यार्थियों का पर्यावरण के प्रति आचरण भी अनुकूल है इन दोनो उद्देश्यों के अध्ययन के पश्चात् यह निष्कर्ष निकलता है–

निष्कर्ष – कक्षा 6 वीं के विद्यार्थियों का पर्यावरणीय आचरण उनके पर्यावरणीय अभिवृत्ति के अनुसार ही है।